

उठावना



सुरेश कुमार अग्रवाल

सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी अग्रवाल

स्वर्गवास : शनिवार 25 जुलाई, 2026

उठावना आज सोमवार, दि. 27 जुलाई 2026 को

दोपहर 12.00 से 1.00 बजे तक

स्थान : बांटिया गार्डन, सिख विलेज में होगा।

शोकाकुल : रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), अनूप (पुत्र), नरेश ,
बजरंग, दिलीप, अनिल, मयूर, पियूष, मृदुल, मोहित, लोकेश,
प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे), कमल, अंकित, नयन, रचित, आरूष, विहान,
निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र) एवं समस्त प्राणसुख परिवार

नथमल सुरेश कुमार (बसईवाले)

फ़र्म : श्री इंडो स्टील इंटरप्राइजेस, चाँडस डिकोर्स, बसई स्टील्स, मेगासिटी मोल्डिंग

फ़ोन नं. +91 9849030471, +91 9000000757

बैठक : रविवार दि. 02 अगस्त, 2026 को मध्याह्न 3 से 5 बजे तक हमारे निवास स्थान
फ्लैट नं. 333, तीसरा माला, लिफ्ट नं. 12, मानसरोवर हाईट्स, फ़ेज-1, तिरुमलगिरी पर रहेगी



अमेरिका में डंकी रूट से प्रवेश करने वाले भारतीयों की संख्या में भारी कमी

वाशिंगटन

अमेरिकी सीमा सुरक्षा एजेंसी (यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन - सीपीबी) द्वारा जारी किए गए हालिया आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में पिछले तीन वर्षों के दौरान अभूतपूर्व कमी दर्ज की गई है। जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के पहले आठ महीनों (अक्टूबर 2023 से मई 2024 तक) में भारतीय नागरिकों से जुड़े कुल 20,614 मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा वित्त

वर्ष 2023 की समान अवधि की तुलना में लगभग 69 प्रतिशत कम है, जब ऐसे मामलों की संख्या 67,212 तक पहुंच गई थी। यह गिरावट एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, खासकर उन अवैध मार्गों पर जिन्हें डंकी रूट के नाम से जाना जाता है। इस गिरावट का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर देखने को मिला है, जिसे कभी अवैध प्रवासियों के लिए एक प्रमुख और खतरनाक रास्ता माना जाता था। अक्टूबर 2023 से मई 2024 के बीच इस दक्षिणी सीमा पर

भारतीयों से जुड़े सिर्फ 417 मामले दर्ज हुए, जो वित्त वर्ष 2023 में इसी अवधि के 30 हजार से अधिक मामलों के मुकाबले लगभग 99 प्रतिशत की चोंकाने वाली और ऐतिहासिक गिरावट है। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि इस मार्ग पर प्रवासियों को रोकने के प्रयासों में भारी सफलता मिली है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर भी भारतीयों के अवैध प्रवेश से जुड़े मामलों में भारी कमी आई है। मई 2024 तक यहां भारतीय नागरिकों से जुड़े 2,250 मामले दर्ज किए गए, जो वित्त वर्ष 2023 की

समान अवधि की तुलना में लगभग 91 प्रतिशत कम हैं। अगर पूरे अमेरिका में भारतीय नागरिकों से जुड़े कुल अवैध प्रवेश मामलों की बात करें तो मई 2024 तक यह संख्या 20,614 रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह संख्या लगभग 29 हजार थी, और वित्त वर्ष 2023 में यह 67 हजार से अधिक पहुंच गई थी। इस भारी गिरावट की मुख्य वजहों पर विशेषज्ञों की राय है कि अमेरिका की सख्त होती आब्रजन (इमिग्रेशन) और शरण (असाइलम) नीतियों का सीधा असर दिखाई दे रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

जर्मनी: घर की छत पर गिरा निजी विमान, दो लोगों की मौत



बर्लिन। जर्मनी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को एक छोटा निजी विमान रियायशी इलाके में एक मकान की छत पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, यह हल्का विमान गैडरकेजे क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जो ओल्डेंबर्ग के निकट स्थित है। विमान सीधे एक मकान की ढलानदार छत से टकराया, जिससे वह छत में धंस गया। प्रारंभिक जानकारी में पुलिस ने बताया था कि विमान में सवार दो व्यक्तियों में से एक की मौत हो गई है, जबकि दूसरा लापता है। बाद में मलबा हटाने के लिए चलाए गए लंबे और जटिल अभियान के बाद पुष्टि हुई कि दोनों यात्रियों की दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है। मृतकों की आयु 65 वर्ष और 77 वर्ष बताई गई है तथा दोनों जर्मनी के ब्रेमन शहर के निवासी थे। दुर्घटना के बाद एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली कराया गया था। मलबा हटाने का कार्य पूरा होने के बाद स्थानीय निवासियों को सुरक्षित रूप से अपने घरों में लौटने की अनुमति दे दी गई। अधिकारियों ने विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा तकनीकी खराबी, मौसम संबंधी कारणों या किसी अन्य वजह से हुआ।

मृत सागर के किनारे बसी है दुनिया की सबसे निचली बस्ती



इजराइल। क्या आप जानते हैं कि इजराइल के मृत सागर (डेड सी) के किनारे स्थित नेवे जोहर नामक बस्ती को दुनिया की सबसे निचली स्थायी आबादी वाला स्थान माना जाता है। यह बस्ती समुद्र तल से लगभग 400 मीटर से अधिक नीचे स्थित है। जॉर्डन रिफ्ट घाटी में बसे इस छोटे से गांव की भौगोलिक स्थिति, जलवायु और प्राकृतिक वातावरण इसे दुनिया के सबसे अनोखे रियायशी क्षेत्रों में शामिल करते हैं। नेवे जोहर इजराइल के दक्षिणी जिले में राजमार्ग 31 और राजमार्ग 90 के जंक्शन के पास स्थित है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार यहाँ की स्थायी आबादी लगभग 166 लोगों की है। आबादी कम होने के बावजूद यह तामार रीजनल काउंसिल का प्रशासनिक मुख्यालय है। गांव में एक प्राथमिक विद्यालय, स्थानीय संग्रहालय और कुछ आवासीय भवन मौजूद हैं। इसकी स्थापना वर्ष 1964 में मृत सागर क्षेत्र में कार्यरत औद्योगिक कर्मचारियों के लिए एक छोटे कार्य शिविर के रूप में की गई थी। बाद में यह स्थायी बस्ती में बदल गया। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यधिक निम्न स्तर है। समुद्र तल से काफी नीचे होने के कारण यहां वायुमंडलीय दबाव सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रहता है। कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार इस कारण यहां हवा में आक्सीजन का आंशिक दबाव अपेक्षाकृत अधिक महसूस हो सकता है, जिससे कुछ लोगों को सांस लेने में सुविधा महसूस होती है। हालांकि यह कहना कि यहां सभी फवसन या हृदय रोगियों को निश्चित रूप से चिकित्सकीय लाभ मिलता है, वैज्ञानिक रूप से स्थापित नहीं है।

मुनीर के हाथ में परमाणु बम थोपीस बने पाकिस्तान के पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सत्ता और सैन्य व्यवस्था में हाल ही में हुए बदलावों ने देश की रणनीतिक



संरचना को नई दिशा दे दी है। कानूनी संशोधनों के बाद देश ने नेशनल स्ट्रेटैजिक कमांड (एनएससी) का गठन किया है, जिसके तहत परमाणु हथियारों, मिसाइल प्रणाली और अन्य रणनीतिक सैन्य संसाधनों का संचालन एक केंद्रीय सैन्य कमान के अधीन किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य सेना, नौसेना, वायुसेना, राकेट फोर्स और रणनीतिक कमान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना बताया जा रहा है। इस नए ढांचे के बाद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका को लेकर सबसे अधिक चर्चा हो रही है। वह पहले से ही चीफ आफ आर्मी स्टफ (सीओएस) और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स (सीडीएफ) जैसे महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर हैं। नए कमान तंत्र के लागू होने के बाद उनकी रणनीतिक और सैन्य निर्णयों में भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली मानी जा रही है। नए ढांचे के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की भूमिका को लेकर भी बहस तेज हो गई है। पहले नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) के मोहम्मद से नागरिक नेतृत्व की रणनीतिक निर्णयों में भागीदारी बनी रहती थी।

ईरान व ओमान ने समझौते की दिशा में बढ़ाए कदम, अमेरिका ने हमला रोका, हूती के वही तेवर, कीव से तेहरान खफा

तेहरान/वाशिंगटन/कीव

ईरान के साथ इस वर्ष 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के थमने के साकारात्मक संकेत सामने आए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर राजनयिक बातचीत में प्रगति हुई है। अमेरिकी समयानुसार ईरान ने शुक्रवार की रात चैन की सांस ली। अमेरिका सेना ने हमला रोक दिया। हूती विद्रोहियों के तेवर वही हैं। इस वजह से पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में तनाव बरकरार है। यूक्रेन से ईरान बहुत ज्यादा खफा है। उसने कैस्पियन सागर में यूक्रेनी हमले की निंदा करते हुए राजनयिकों को तलब किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ओमान और ईरान के बीच राजनयिक बातचीत में प्रगति हुए हैं। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और उस इलाके में अपने-अपने समुद्री जलक्षेत्र को फिर से खोलने पर वार्ता की है। सूत्रों ने संकेत दिया कि चीजें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अंतिम समझौते पर पहुंचने में कुछ वक्त लग सकता है। ओमान के अधिकारी बातचीत के लिए शुक्रवार को तेहरान गए थे।

बताया गया है कि यह राजनयिक पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बमबारी को रोकने के निर्णय के बाद हुई। अमेरिकी सेना ने लगातार 13 रातों तक बमबारी की। ट्रंप के फैसले के बाद ईरान में 14वीं रात अमेरिकी सेना ने हमला नहीं किया। व्हाइट हाउस और अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जरूर कहा कि ओमान और ईरान के बीच हो रही बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर है।

यह भी कहा जा रहा है कि ईरान और अमेरिका दोनों ही इस समय संघर्ष विराम का कोई रास्ता खोज रहे हैं। मध्यस्थ देशों ने दोनों को मनाने की कोशिश की है। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अपने रुख में परिवर्तन को तैयार नहीं हैं। ईरान कर्मशियल जहाजों से जबरिया टोल वसूलना चाहता है। ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी इसे सफल नहीं होने दे रही।

समुद्री जलमार्ग की इस लड़ाई में अमेरिकी सहयोगी यूक्रेन भी कूट गया है। कैस्पियन सागर में ईरान के एक जहाज पर उसके हमले में कम से कम एक नाविक की मौत और एक अन्य के घायल होने से ईरान आगबबूला



है। ईरान ने यूक्रेन के राजनयिकों को तलब किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए गहरी चिंता जताई है। मंत्रालय ने यूक्रेन के वरिष्ठ राजनयिक को तलब कर इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताते हुए इसकी निंदा की है। विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने ईयू के विदेश नीति प्रमुख के साथ फोन पर बातचीत कर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस हमले पर प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया।

सेंटकाम ने एक्स पोस्ट में कहा कि उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी के तहत एक टैंकर पर चढ़कर जांच की। पोस्ट के अनुसार, अरब सागर में कोमोरोस के झंडे वाले एमटी चारमीनार टैंकर पर चढ़कर जांच पूरी की। इसके बाद टैंकर को जाने दिया गया। कल ओमान की खाड़ी में मोजाम्बिक के झंडे वाले एमटी लैविन टैंकर को रोक जांच की गई थी। सेंटकाम ने कहा कि यह टैंकर ईरान जा रहा था। सेंटकाम ने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी पूरी तरह जारी है।

यूक्रेन ने स्वीकार किया है कि उसने रूसी जहाजों

को निशाना बनाया है। इन जहाजों से कुछ सामग्री ईरान भेजी जा रही थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस मध्य पूर्व में ईरान के सैन्य अभियान में उसकी मदद कर रहा है। इस बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के होदेइदाह बंदरगाह और कमरान द्वीप पर किए गए हमलों के जवाब में लाल सागर तट पर जिजान और यानबू में सऊदी अरमको की तेल सुविधाओं पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं।

जेलेंस्की ने शनिवार एक्स पोस्ट में कहा कि वह अमेरिका के साथ कुछ सबूत साझा करेंगे। इनसे यह खुलासा होगा कि रूस, ईरान को सैंटेलाइट निगरानी के जरिए मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने में मदद कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, जुलाई की शुरुआत से ही हमने खाड़ी देशों और बड़े मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर रूस की सन्निय सैंटेलाइट निगरानी देखी है। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें बाद में ईरान तक पहुंचती हैं।

अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों तक नहीं पहुंचने देंगे

राष्ट्रपति ट्रंप के नाभिनी का एआई एक्सपोर्ट पर सख्त कंट्रोल का वादा

वाशिंगटन

अमेरिकी निर्यात नियंत्रण विभाग के शीर्ष पद के लिए नामांकित प्रत्याशी ने इस सप्ताह एक बड़ा संकल्प लिया और कहा कि वह अमेरिका की अत्यंत संवेदनशील और आधुनिक तकनीकों को शत्रु देशों के सैन्य मंसूबों तक नहीं पहुंचने देंगे। चीन के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच उन्होंने निर्यात नियंत्रण व्यवस्था को ज्यादा प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस और सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करने का भरोसा दिया है। एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के असिस्टेंट सेक्रेटरी ने सीनेट बैंकिंग कमेटी के सामने कहा कि एआई और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर को ग्लोबल होड़ के बीच, एक्सपोर्ट कंट्रोल वाशिंगटन के सबसे अहम नेशनल सिक्योरिटी टूल्स में से एक हैं। वारेन ने सांसदों से कहा कि ब्यूरो आफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी, अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी, इकोनामिक सिक्योरिटी और बेजोइ टेक्नोलॉजिकल अचीवमेंट और साईटिफिक इनोवेशन की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट कंट्रोल उन सबसे अहम टूल्स में से हैं, जिनसे यह पक्का किया जा सकता है कि अमेरिका की सबसे सेंसिटिव टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट्स और एक्सपोर्ट्स का इस्तेमाल हमारे दुश्मनों की मिलिट्री माडर्नाइजेशन या रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में न हो।

सीनेटर ने कहा कि अमेरिका एआई में कौन आगे रहेगा, इस मामले में चीन के साथ होड़ में बना हुआ है। उन्होंने तर्क दिया कि लीडरशिप की अहम जगहों पर सही लोगों के होने से हमारे देश को फायदा मिलता है। वारेन अमेरिका की एक्सपोर्ट कंट्रोल पालिसी बनाने में मदद करेंगे ताकि यह पक्का किया जा सके



कि अमेरिका चीन का मुकाबला कर सके और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मकता को भी मजबूत किया जा सके।

उन्होंने कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए एक ऐसी नियामक प्रणाली को जरूरत है जो प्रभावी, अनुकूलनीय और हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ घनिष्ठ समन्वय पर आधारित हो। उन्होंने एक्सपोर्ट कंट्रोल रिफार्म एक्ट का जिक्र करते हुए कहा कि जब में एक वकील के तौर पर अपनी सोच के बारे में सोचती हूँ, तो मैं कानून को देखती हूँ। एक्सपोर्ट कंट्रोल वहां लागू किए जाने चाहिए जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी अहम चिंताएं हों, साथ ही उनके आर्थिक असर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समझ से अभी कड़े कंट्रोल लागू हैं, लेकिन तकनीक हमेशा बदलती रहती है। हमें हर चीज के बारे में स्पष्ट रहना होगा और अगर मेरी निष्पत्ति पक्की हो जाती है, तो मैं यह तय करूंगी कि स्टॉफ और मैं खुद भी लगातार इस पर नजर रखें।

बता रहा रूस, तोड़-फोड़ मचा रहा ईरान, पुतिन ने ट्रंप से लिया ये कैसा इंतकाम



वाशिंगटन। मध्य-पूर्व में चल रहा महायुद्ध अब पूरी तरह बेकाबू हो चुका है। अमेरिकी सेना का ध्यान कहीं और बंटने के बावजूद, सीआईए के सबसे सुरक्षित ठिकानों पर सटीक हमले हुए हैं। वाशिंगटन में मरी खलबली के बीच, रक्षा विशेषज्ञ साफ कह रहे हैं कि रूस की गुप्त मदद के बिना ईरान के लिए इसतरह के संवेदनशील अमेरिकी ठिकानों को ढूंढना और तबाह करना असंभव था। अब जांच हो रही है कि क्या पुतिन ने पर्दे के पीछे से मोजतबा खामनेई को गुप्त डाटा दिया, जिससे ट्रंप से बदला लिया जा सके। ट्रंप की सेना भले ही ईरान पर हवाई हमले कर रही हो, लेकिन ईरान की सेना ने जवाबी कार्रवाई में जॉर्डन में आपरेशन अलबर्ग का ऐतान कर दिया। अल फैसल और प्रिंस हसन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसने अमेरिकी सेना की कमजोर नस को बेनकाब किया है। ईरान का दावा है कि उसके हमले में आठ नए एमव्यूआई 9 जासूसी ड्रोन जलकर खाक हो गए, जबकि दो अन्य ड्रोन और भारी हेलीकाप्टरों को गंभीर नुकसान पहुंचा। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इसकी गहन जांच कर रही हैं कि क्या रूस ने ईरान को वाकई गुप्त सैंटेलाइट डाटा हस्तांतरित किया था।

अब प्लोरिडा के तट पर समुद्री जीवन जीवित करने बन गई जरूरी साधन

प्लोरिडा

जो चीजें कचरा कहीं जा रही थी अब प्लोरिडा के तट पर समुद्री जीवन को फिर से जीवित करने के लिए जरूरी साधन बन गई। 2007 और 2024 के बीच फ्लोरिडा ने खराब हो चुके समुद्री आवासों को ठीक करने के लिए मेक्सिको की खाड़ी में पांच लाख टन से ज्यादा रीसायकल की गई आयस्टर और क्लैम की सीपियां डाली थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये सीपियां सीधे समुद्र से नहीं आई थीं बल्कि इन्हें सीफूड रेस्तरां और सीफूड प्रोसेसिंग प्लांट से इकट्ठा किया था। इन्हें लैंडफिल में भेजने के बजाय उन इलाकों में पानी में वापस डाला गया कहा। यहां तक कि रिसर्च करने वालों को भी प्रोजेक्ट के शुरुआती दौर में कोई खास बदलाव



सवाल उठाए और इसे समुद्र में कचरा फेंकना तक कहा। यहां तक कि रिसर्च करने वालों को भी प्रोजेक्ट के शुरुआती दौर में कोई खास बदलाव

नहीं दिखा और उन्हें पक्का नहीं था कि यह कोशिश सफल होगी या नहीं। हालांकि सतह पर कोई तुरंत बदलाव नहीं दिखा लेकिन जरूरी

प्रक्रियाएं शुरू हो चुकी थीं। जैसे ही सीपियां डाली गई बैक्टीरिया उनसे चिपक गए और बायोफिल्म बना ली। यह पतली परत समुद्री इकोसिस्टम को शुरूआती चीजों में से एक है और ऐसे हालात बनाती है जो दूसरे जीवों को बसने और बढ़ने में मदद करते हैं।

सीपियां धीरे-धीरे टूटने लगीं और पानी में कैल्शियम छोड़ने लगीं। इससे पानी की अलग कैमिस्ट्री वाले छोटे-छोटे इलाके बन गए जिन्हें माइक्रोजोन कहा जाता है। ये छोटे-छोटे बदलाव कई ऐसे पानी के नीचे रहने वाले जीवों के लिए सही हालात बनाते हैं जो जिंदा रहने के लिए ऐसे माहौल पर निर्भर करते हैं। सीपियों ने एक और बड़ी समस्या भी हल कर दी। खरस्थ आयस्टर रीफ के लिए सख्त सतह की जरूरत होती है जहां छोटे आयस्टर चिपक सकें और बढ़ सकें। चूंकि कई रीफ खत्म हो चुकीं थीं इसलिए समुद्र की तलहटी का ज्यादातर हिस्सा जाम और रेतिला हो गया था जिससे नए आयस्टर्स का नरम मुश्किल

था। रीसायकल की गई सीपियां ने उस गायब आधार का काम किया और छोटे आयस्टर उन पर बस गए जिससे समय के साथ धीरे-धीरे नई रीफ बन गई। आयस्टर की आबादी बढ़ने से अतिरिक्त लाभ भी हुए। खाना खाते समय ये बड़ी मात्रा में पानी को फिल्टर करते हैं जिससे पानी से कण हट जाते हैं और हानिकारक शैवाल के फैलाव को कम करने में मदद मिलती है। साफ पानी तटीय इकोसिस्टम पर निर्भर अन्य पौधों और जानवरों के विकास में भी मदद करता है। समय के साथ ये बदलाव फूड चेन में फैल जाते हैं और मछलियों व कई समुद्री जानवरों को रहने के लिए बेहतर जगहें मिलती हैं। प्रोजेक्ट के मुताबिक मछली, कछुए और डॉल्फिन की आबादी ऐसे स्तर तक बढ़ गई जो पिछले 25 से ज्यादा सालों में नहीं देखी थी। समुद्र के तल का धीरे-धीरे ठीक होना तब साफ तौर पर दिखाई देने लगा जब समुद्री जीवन उन इलाकों में वापस आ गया जहां पहले उसे बनाए रखा मुश्किल था।

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है



वास्तव में गुरु की महिमा का पूरा वर्णन कोई कर सकता ही नहीं। गुरु की महिमा भगवान से भी अधिक है। इसलिये शास्त्रों में गुरु की बहुत महिमा आयी है। परंतु वह महिमा सच्चाई की है, दम्भ-पाखण्ड की नहीं। आजकल भारत में सांसारिक अथवा पारमार्थिक ज्ञान देने वाले व्यक्ति को गुरु कहा जाता है। इनकी पांच श्रेणिया हैं। शिक्षक – जो स्कूलों में शिक्षा देता है। आचार्य – जो अपने आचरण से शिक्षा देता है। कुलगुरु – जो वर्णाश्रम धर्म के अनुसार संस्कार ज्ञान देता है। दीक्षा गुरु – जो परम्परा का अनुसरण करते हुए अपने गुरु के आदेश पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए मंत्र दीक्षा देते हैं। गुरु –वास्तव में यह शब्द समर्थ गुरु अथवा परम गुरु के लिए आया है। गुरु का अर्थ है भारी। ज्ञान सभी से भारी है अर्थात महान है अतः पूर्ण ज्ञानी चेतन्य

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे प रमार्थ के महानंद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे संसारी प्रेम हो या परमार्थी। 'अनासक्ति' ही प्रेम का धर्म है, जहां प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम में केवल देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम करते समय यह अहंकार भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम को तिजारत न बनें दें। ध्यान रहे कि फूल खिलता है दूसरों को आनंद देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। एक आप हो कि बिना मतलब के प्रेम करना ही नहीं जानते। प्रेम आकर्षण है और द्वेष विकर्षण। प्रेम आनंद है और द्वेष दुख। प्रेम अद्वैत है और द्वेष द्वैत। प्रेम सहकार है और द्वेष

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है



रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी

रूप पुरुष के लिए गुरु शब्द प्रयुक्त होता है, उसकी ही स्तुति की जाती है। नानक देव, त्रेलंग स्वामी, तोतापुरी, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, स्वामी समर्थ, साई बाबा, महावातर बाबा, लाहड़ी महाशय, मेहर बाबा आदि सच्चे गुरु रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु शिक्षक का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही सूत्र अध्यात्म के क्षेत्र में भी लागू होता है। 'अध्यात्म' सूक्ष्म-स्तरीय विषय है, अर्थात बुद्धि की समझ से परे है। इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत मार्गदर्शक अथवा गुरु कौन हैं, यह निश्चित रूप से पहचानना असंभव होता है। किसी शिक्षक अथवा प्रवचनकार की तुलना में गुरु पूर्णतः भिन्न होते हैं। हमारे इस विश्व में वे आध्यात्मिक प्रतिभा से परिपूर्ण

दीपस्तंभ-समान होते हैं। वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं।

यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पड़े, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पड़ेगा। हम जीवन में आगे नहीं बढ़ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पड़ें। जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्वके विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है। अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं। एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेंद्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं। गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं। आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं। जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंतर्गत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं। ईश्वर के ये विविध अंग ब्रह्माण्ड में विशिष्ट कार्य करते हैं। जिस प्रकार किसी सरकार के

अंतर्गत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं। इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं। यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है। इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोड़ता है। गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढ़ता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं। ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्वपूर्ण हैं। जिनमें आध्यात्मिक उन्नति की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है। गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है। इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और रु के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है। रु शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटता) है। संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं।

कौन है नायक

कुछ साल पहले की बात है। न्यूयॉर्क के मैनहटन स्टेशन पर वेस्ली ऑर्टी अपनी क्रमशः चार और छह वर्ष की बेटियों के साथ ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रेन सामने से आ रही है, तभी उनके पास खड़ा एक मुसाफिर अचानक गश खाकर रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ा। वेस्ली ने आव देखा न ताव, इंजन के सामने छलांग लगा दी और उस मुसाफिर को ट्रैक के बीच बनी गहरी नाली में खींच लिया।

ट्रेन के अचानक ब्रेक लगे, लेकिन वह रुक नहीं पाई। पांच डब्बे उनके सिरों को छूते हुए ऊपर से गुजर गए। मित्त से लथपथ अपनी टोपी उतारते हुए वेस्ली ने तेज आवाज में कहा, 'मेरी दोनों बेटियों को बता दो कि उनके पापा ठीक हैं'। भीड़ में सभी हैरानी और खुशी जता रहे थे और वेस्ली की सराहना कर रहे थे।

गश खाकर गिरने वाला मुसाफिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी का छात्र था और उसे दोन पडने की शिकायत थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे मामूली चोट और खरोंचें ही आई थीं।

जब उस छात्र ने वेस्ली का आभार जताया, तो उन्होंने कहा, 'मैंने कोई बड़ा कारनामा नहीं कर दिखाया है। तुम्हें उस समय मदद की जरूरत थी और मैं जो कर सकता था, वह किया।' कथा-मर्म – नायक वही है, जो किसी की भलाई के लिए जितना कर सकता हो, उतना जी-जान से करे।

संत अपने लिए नहीं जीता

संतों को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वह अपनी साधना से प्रकृति में फैली ऊर्जा का संग्रह करता है। अपनी इस संग्रहित ऊर्जा से अपने भक्तों का कल्याण करता है। इसलिए संतों के संपर्क में रहने वाला व्यक्ति स्वस्थ और शांत रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि दुष्ट वृत्ति वाला मनुष्य भी संतों के संपर्क में रहे तो वह उदार आचरण वाला बन जाता है। इसीलिए संतों के संपर्क में रहने वाला, उनका आशीर्वाद ग्रहण करने वाला दीर्घायु और स्वस्थ रहता है। संतों को इसीलिए पूजा जाता है कि वे इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अपनी ऊर्जा से निरंतर दूसरों को जीवनी शक्ति प्रदान करते रहते हैं।

वे राग, द्वेष से ऊपर होते हैं। इसीलिए समाज में लोग संतों को आदर देते हैं और गुरु रूप में संत की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि संत अपने लिए नहीं जीता। उसका अपना कुछ होता ही नहीं, उसका सब कुछ समाज का होता है। वह न अपने सुख से सुखी होता है और न अपने दुख से दुखी होता है। कहते हैं कि संत का हृदय तो मक्खन से भी अधिक कोमल होता है। वह दूसरे के दुख से भी दुखी हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसका न तो अपना दुख होता

है और न सुख होता है। उसका 'स्वयं' विसर्जित होकर 'पर' बन जाता है इसलिए समाज में संतों को सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। देव **ऊर्जा का अर्थ है-** दिव्य आत्माओं के संपर्क में रहकर ऊर्जा ग्रहण करना। देवता का अर्थ है, जो दिव्य हो, जिसमें अनंत दिव्यता हो, उन्हीं दिव्य आत्माओं को भगवान कहते हैं। भगवान का अर्थ है-भगवान। भग में ऐश्वर्य, यश, श्री, आयु, ज्ञान, वैराग्य और सौभाग्य रहता है। इतने गुण जिनमें हों, उसे भगवान कहते हैं। इसीलिए हम इन दिव्य आत्माओं की पूजा करते हैं ताकि उनकी दिव्यता की ऊर्जा हमें प्राप्त हो।

इनकी यही दिव्यता आशीर्वाद रूप में हमें प्राप्त होती है। इसी दिव्यता शब्द से देवता बना है। जो संपूर्ण रूप से दिव्य हो। इसी कारण हम उनकी ऊर्जा ग्रहण करते हैं। उनकी ऊर्जा जब हमारे शरीर में प्रवेश करती है, तो हमारे शरीर की जड़ता मूलक ऊर्जा दिव्य ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। मंदिरों में बैठकर हम उसी दिव्य ऊर्जा को धारण करते हैं। देवता, मंदिर की मूर्ति और गुरु इन तीनों से ऊर्जा ग्रहण करने का विधान है।

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गों को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोड़कर खड़ी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोड़ा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वात्मि कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और



बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड़ जाते हैं या मर जाते हैं।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विश्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियों भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अंधविश्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पांच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनुसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विश्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरना: सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफटेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबरते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित: व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति

होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पड़ने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस: कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिंक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंयूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि

क्या है आध्यात्मिकता

लोग आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन मानते हैं। लोगों में भ्रामक धारणा है कि आध्यात्मिक जीवन



जबकि सच्चाई यह है कि आध्यात्मिक होने के लिए आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या मत से कोई संबंध नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिक होने का मतलब है, भौतिकता से परे जीवन का अनुभव कर पाना। अगर आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और

पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद की स्थिति का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं।

आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं ही अपने आनंद का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता मंदिर, मस्जिद या चर्च में नहीं, बल्कि आपके अंदर ही घटित हो सकती है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। यह उनके लिए है, जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवंतता के साथ जीना चाहते हैं। अस्तित्व में एकात्मकता व एकरूपता है और हर ईसान अपने आप में अनूत है। इसे पहचानना और इसका आनंद लेना आध्यात्मिकता का सार है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है, चाहे वह काम झाड़ू लगाना ही क्यों न हो। किसी भी चीज को गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

जागरूकता का अभाव। ऐसा संतों का मानना है। जागरूक व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होता। भगवान बुद्ध कहते हैं, 'जो भी करते हो होशपूर्वक करो'। होशपूर्वक किया गया कोई भी काम अनैतिक नहीं होता। इसलिए मनुष्य अगर दुखी है, चिंताग्रस्त और उदास है तो उसका कारण वह स्वयं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि किसी ने भी उसे दुखी, चिंताग्रस्त और उदास होने के लिए नहीं कहा है कि वह दुखी होना चाहता है इसलिए वह दुखी है।

जो सुखी रहना चाहता है वह सुखी है। बीमार भी वही पड़ता है जो बीमार होना चाहता है। कुछ लोगों को तो बीमार होने पर दूसरों की सहानुभूति पाने में सुख मिलता है। ऐसे लोग अपनी छोटी बीमारी को भी बड़ी बीमारी बताते हैं। ऐसे बहुत से लोग हमारे समाज में हैं, जो अपने छोटे दुखों को बड़ा-चढ़ाकर दूसरों की सहानुभूति प्राप्त करना चाहते हैं।



चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंग: इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग विश्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फ इतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ

सेंस की प्रमाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभव: जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरता है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अंधविश्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों से बुताने से डरते हैं। अध्यात्म से जुड़े लोग इन बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।



यादों के झरोखों से-मोहम्मद अजहरुद्दीन : कलाई के जादूगर से विवादों के खिलाड़ी तक

प्यार, तकरार और सियासी सफर की अनसुनी दास्तान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के 90 के दशक में मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसा रतबा, कलाई का जादू और करिश्मा शायद ही किसी और कप्तान के पास रहा हो। एक बेहद साधारण और सीधे-साधे पृष्ठभूमि से निकलकर टेस्ट क्रिकेट की अपनी शुरुआती तीन पारियों में लगातार तीन शतक जड़कर अजहर ने पूरी दुनिया को अपना मुरीद बना लिया था। लेकिन उनकी जिंदगी सिर्फ क्रिकेट के रनों और कप्तानी के शबाब तक सीमित नहीं रही। अजहर की निजी जिंदगी प्यार, तकरार, रोमांस, तलाक और शादियों का एक ऐसा काकटेल रही,

जिसने उन्हें मैदान से ज्यादा विवादों और सुर्खियों के केंद्र में रखा, जिससे उनके करियर पर भी गहरा असर पड़ा।

मोहम्मद अजहरुद्दीन का पहला प्यार कोई फिल्मी हस्ती नहीं, बल्कि उनके घर के पास रहने वाली बेहद खूबसूरत और सादगी पसंद लड़की नौरीन थीं। वर्ष 1987 में, जब अजहर देश के हरदिल अजीब क्रिकेटर बन चुके थे, तब 16 वर्ष की नौरीन के साथ उनका निकाह हुआ। उस दौर में अजहर को एक आदर्श बेटे, वफादार पति और स्नेहिल पिता की मिसाल माना जाता था। नौरीन ने अजहर के घर-परिवार और दो बेटों की जिम्मेदारी बेहद सादगी और समर्पण से संभाली। जून 1995 में दिए एक इंटरव्यू में अजहर ने कहा था कि उनका निकाह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है और वे दोनों बेहद खुश हैं। लेकिन

किस्मत को कुछ और ही मंजूर था; इस इंटरव्यू के महज एक साल के भीतर 9 साल पुराना यह मजबूत रिश्ता दरकने लगा, जिसने अजहर की जिंदगी को एक नया मोड़ दिया।

अजहर की जिंदगी में बालीवुड की प्रसिद्ध माडल और अभिनेत्री संगीता बिजलानी की एंट्री हुई। एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान शुरू हुई यह नजदीकी जल्द ही 90 के दशक के सबसे बड़े अफेयर में बदल गई, जिसने मीडिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। संगीता के प्यार में गिरफ्तार अजहर ने हैदराबाद जाना तक कम कर दिया। 1996 के इंग्लैंड दौरे पर जब अजहर संगीता को अपने साथ ले गए और शादी का दबाव बढ़ा, तो अजहर ने नौरीन को तलाक दे दिया। हालांकि, अजहर के माता-पिता अंत तक नौरीन के साथ खड़े रहे, लेकिन नौरीन के

ख्वाब चूर-चूर हो चुके थे। 14 नवंबर 1996 को मुंबई के खार में गुप्तचुप तरीके से रजिस्ट्रार को घर पर बुलाकर दोनों का निकाह हुआ। शादी से ठीक पहले संगीता आयशा बेगम बनीं। हालांकि, ग्लैमर और इश्क के इस रिश्ते की उम्र भी लंबी नहीं रही।

अजहर और संगीता के रिश्ते में अंतिम दूरार तब आई, जब अजहर का नाम भारतीय बैडमिंटन स्टार ज्वाला गट्टा के साथ जुड़ने लगा। हालांकि अजहर और ज्वाला दोनों ने ही इन खबरों को अफवाह बताया और इसे केवल एक जान-पहचान और मदद का नाम दिया, लेकिन संगीता को यह स्थिति मंजूर नहीं थी। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में संगीता ने मुरादाबाद जाकर अजहर के लिए चुनाव प्रचार भी किया था, लेकिन अंदरूनी मनमुटाव बढ़ता गया।

न्यूज़ ब्रीफ

तिलक टी20 में सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, धोनी और रैना को पीछे छोड़ा

हरारे। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में



अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज की है। तिलक की इस पारी से भारतीय टीम सीरीज में 90 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। तिलक ने अपनी इस पारी से पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के रिकार्ड भी तोड़ दिये। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही तिलक अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में तिलक ने 29 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से नाबाद 60 रन बनाये। इससे अब उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 58 मैचों की 55 पारियों में कुल 1634 रन हो गये हैं। इस दौरान उनका औसत 44.16 रन रहा जबकि स्ट्राइक रेट 145.37 का रहा है। इससे तिलक का आक्रमक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। तिलक के नाम दो शतक और नौ अर्धशतक हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 120 रन है। इस तरह उन्होंने धोनी और रैना के साथ ही ईशान किशन को भी पीछे छोड़ दिया है। पूर्व कप्तान धोनी ने अपने करियर में 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए थे, जिसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं रैना ने भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.18 की औसत और 134.87 के स्ट्राइक रेट से 1605 रन बनाए थे। रैना के नाम शतक और पांच अर्धशतक भी हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में, कप्तान रोहित शर्मा 4231 रनों के साथ नंबर एक हैं। वहीं विराट कोहली 4188 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। वहीं सक्रिय खिलाड़ियों की बात करें तो पूर्व कप्तान सुर्यकुमार यादव 3272 रनों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

कामनवेल्थ गेम्स: पुतुल सोनोवाल की अजेय लय टूटी, मलेशिया के इज्जत जुल्केपले से हारे

ग्लासगो। भारत के पुतुल सोनोवाल को कामनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष एकल लान बाल्स स्पर्धा में पहली हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को सेवशन-डी के महत्वपूर्ण मुकाबले में मलेशिया के इज्जत शमीर जुल्केपले ने उन्हें सीधे सेटों में 8-4, 9-8 से हराकर उनकी सेमीफाइनल की राह कटिन बना दी। इस हार के साथ ग्लासगो में सोनोवाल का अजेय अभियान समाप्त हो गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक सेवशन से केवल शीर्ष खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में पहुंचता है, ऐसे में उपविजेता के लिए अगले दौर में जगह नहीं है। तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने वाले जुल्केपले ने अंक और +18 शट अंतर के साथ सेवशन-डी में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, सोनोवाल दो जीत और एक हार के साथ छह अंक तथा -8 शट अंतर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और पहला सेट 8-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी सोनोवाल शुरुआती दौर में पिछड़ गए। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जुल्केपले ने संयम बनाए रखते हुए 9-8 से सेट और मैच जीत लिया।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की पीटी उषा ने की सराहना, कहा- भारत जीतेगा कई पदक



ग्लासगो। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत सुनिश्चित की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय दल इस बार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छी संख्या में पदक जीतेगा। पीटी उषा ने कहा कि उद्घाटन समारोह का आयोजन बेहद प्रभावशाली रहा और खिलाड़ियों को जिस सम्मान के साथ मंच प्रदान किया गया, वह सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। उन्होंने ग्लासगो आयोजन समिति की तैयारियों और मेहमानवाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

मीराबाई की गोल्डन हैट्रिक ग्लासगो में लहराया तिरंगा, देश का मान बढ़ाया



नई दिल्ली: स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने रविवार को ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया।

चानू ने महिला वेटलिफ्टिंग के 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह लगातार तीसरा मौका है जब उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर देश के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, खेल मंत्री मनसुख मांडविया और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें बधाई दी है।

लगातार तीसरा स्वर्ण, चौथा कॉमनवेल्थ मेडल मीराबाई चानू ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए एक बार फिर साबित कर दिया कि वह

कॉमनवेल्थ में अजेय हैं। 48 किग्रा कैटेगरी में उनके इस स्वर्ण के साथ ही उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी कर ली है और यह उनका कुल चौथा कॉमनवेल्थ पदक है।

देशभर से बधाइयों का तांता: पीएम से लेकर खेल मंत्री तक ने किया सलाम चानू की इस उपलब्धि पर पूरे देश से बधाइयां आ रही हैं।

उपराष्ट्रपति ने एक्स पर दी बधाई उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू को बहुत-बहुत बधाई। इतने सालों में भारत के लिए सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार पदक जीतने का आपका प्रदर्शन आपके

जबरदस्त समर्पण, हिम्मत और बेहतरीन काम करने की आपकी कोशिश को दिखाता है। इतने सालों में आपकी शानदार कामयाबियों ने पूरे देश को गर्व महसूस कराया है। आने वाले सालों में आपको और भी बहुत सारी तारीफें और लगातार कामयाबी की दुआ करता हूं।

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, भारतीय वेटलिफ्टिंग में एक और शानदार अध्याय। प्रतिभावान मीराबाई चानू ने एक बार फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किग्रा कैटेगरी में शानदार परफॉर्मेंस देकर स्वर्ण पदक जीतकर अपनी स्किल्स दिखाईं। लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण और चौथा कॉमनवेल्थ पदक लेकर, वह हर भारतीय के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उन्हें बधाई। आगे की कोशिशों के लिए शुभकामनाएं।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने किया पोस्ट केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा, स्वर्ण पदक की हैट्रिक। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू को बधाई। आपका अटूट समर्पण, शानदार निरंतरता और असाधारण ताकत भारत को वैश्विक मंच पर गर्व कराती रहेगी।

भारत की ताकत और नारी शक्ति की प्रतीक भारत की ताकत का प्रतीक

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, एक चैंपियन। एक ट्रेलस्लेजर। भारत की ताकत का प्रतीक। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू को हार्दिक बधाई।

केंद्रीय मंत्री ने जताया आभार

उन्होंने आगे लिखा, आपकी जीत एक पदक से कहीं ज्यादा है। यह लगन, बेहतरीन काम और नारी शक्ति की कभी न हारने वाली भावना का जश्र है। देश आपको सलाम करता है और आपकी असाधारण उपलब्धि का जश्र मनाता है।

4 दिन, 3 जीत और क्लीन स्वीप : टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को रौंदा, श्रेयस अय्यर ने जीती कप्तानी में पहली ट्रॉफी

हरारे: भारतीय क्रिकेट टीम ने लगातार दो सीरीज की हार के बाद शानदार वापसी करते हुए जिम्बाब्वे का क्लीन स्वीप कर दिया है। 3 मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी और निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम ने 35 रन से जीत दर्ज कर मेजबान जिम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। पहले आयरलैंड और फिर इंग्लैंड में सीरीज हार का सामना करने वाली कप्तान श्रेयस अय्यर की टीम अब अपनी पुरानी फॉर्म में वापस लौट चुकी है। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 5 विकेट खोकर 192 रन बोर्ड पर लगाए थे, जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 7 विकेट खोकर 157 रन ही बना पाई। जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां ब्रायन बेनेट (0) और कप्तान सिकंदर रजा (0) खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। टॉप ऑर्डर में बेन कुरेन (20) और डियोन मायर्स (19) ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद रयान बर्ल ने एक छोर संभाले रखा और 43 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से नाबाद 54 रनों की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली। वेस्ली मधेवेरे (28) और ब्रैड



इवांस (14) के उपयोगी योगदान की बदौलत जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 157 रन के सम्मानजनक स्कोर तक ही पहुंच पाई। भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को बड़े स्कोर से रोके रखा। तेज गेंदबाज ययंक यादव भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपने 4 ओवरों में 29 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। यश

ठाकुर थोड़े महंगे जरूर साबित हुए (11.20 इकॉनमी), लेकिन उन्होंने 45 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। नए गेंदबाज अशोक शर्मा ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 20 रन दिए और 1 सफलता प्राप्त की, जबकि स्पिनर रवि बिश्रोई ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिया। इसके अलावा सूर्याश शेडो (2 ओवर, 15 रन) और अभिषेक शर्मा (2 ओवर,

18 रन) ने भी किफायती स्पेल फेंका।

इससे पहले टीम इंडिया ने तीसरे टी20 मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी के विस्फोटक अर्धशतक की मदद से 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए हैं। भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की। अभिषेक फिर फ्लॉप रहे और मात्र 2 रन बनाकर आउट हो गए। वैभव और तीसरे नंबर पर आए ईशान किशन ने पारी को संभाला। बाएं हाथ के दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों पर 75 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 95 तक पहुंचाया। ईशान दूसरे विकेट के रूप में 26 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हुए।

वैभव सूर्यवंशी ने किया कमाल

वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े, जब ऐसा लग रहा था कि वैभव अपना हाथ टी20 शतक पूरा कर लेंगे, उसी समय यह 81 के स्कोर पर आउट हो गए। वैभव का यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक था। 49 गेंदों की इस पारी में वैभव ने 4 छक्के और 8 चौके लगाए।

देहरादून टी-20 लीग के लिए खिलाड़ी ट्रायल संपन्न, 650 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

देहरादून उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (सीएयू) द्वारा अनुमोदित देहरादून टी-20 लीग 2026 के आधिकारिक खिलाड़ी चयन ट्रायल का आयोजन देहरादून के नथुवावाला स्थित कीमतीलाल शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में संपन्न हुआ। लीग के लिए कुल 650 खिलाड़ियों ने प्लेयर ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से 350 से अधिक खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देहरादून टी-20 लीग 2026 का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक देहरादून के अभिमन्यू क्रिकेट अकादमी में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 15 लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल होंगे। शनिवार को लीग के लिए खिलाड़ियों का मूल्यांकन चयन समिति के सदस्य धीरनराज शर्मा एवं शिवम खिराना द्वारा किया गया। ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी



आधिकारिक प्लेयर ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा, जहाँ लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमों अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी।

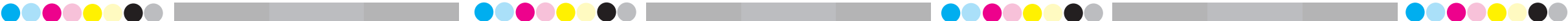
सीएयू के मुख्य संरक्षक पी.सी. वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग युवा क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उत्तराखंड में क्रिकेट की मजबूत नींव तैयार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के पूर्व सचिव महिम वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग राज्य में क्रिकेट के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। यह प्रतियोगिता उभरते खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण अवसर और अनुभव प्रदान करेगी तथा उन्हें उच्च स्तरीय क्रिकेट तक पहुंचने का सशक्त मंच

उपलब्ध कराएगी।

क्रिकेट एसोसिएशन आफ दून के सचिव पीयूष कुमार रघुवंशी ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग के ट्रायल में खिलाड़ियों की शानदार भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रमाण है। क्रिकेट एसोसिएशन आफ दून प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निष्पक्ष एवं पेशेवर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिक्रिा है। हमें विश्वास है कि यह लीग उत्तराखंड में क्रिकेट विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

देहरादून टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवनीत मिश्रा ने कहा कि 650 खिलाड़ियों का पंजीकरण और ट्रायल में 350 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी उत्तराखंड में क्रिकेट के प्रति बढ़ते जुनून को दर्शाती है। हमारा उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक पेशेवर मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्राप्त कर सकें।





टाटा मोटर्स ने जून में की 33,656 यूनिट्स डिस्पैच, दबदबा कायम

नई दिल्ली भारतीय इलेक्ट्रिक कार (ईवी) बाजार में एक बार फिर टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जिसने जून 2026 में 14,657 यूनिट्स कारों का डिस्पैच दर्ज किया। टाटा के डिस्पैच में मासिक आधार पर 41.2 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी देखी गई, जबकि मई 2026 में यह आंकड़ा 10,377 यूनिट्स था। टाटा मोटर्स की इस सफलता के पीछे पंच ईवी और नेक्सन ईवी को ग्राहकों से मिला जबरदस्त रिस्पान्स है। इसके अलावा, टियागो ईवी और बाजार में हाल ही में कदम रखने वाली नई सिएरा ईवी ने भी कंपनी की स्थिति को काफी मजबूत किया है। बिक्री के लिहाज से, टाटा पंच ईवी को सबसे ज्यादा ग्राहक मिले, जबकि टाटा नेक्सन ईवी दूसरे नंबर पर रही। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर महिंद्रा रही, जिसने 8.1 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ कुल 7,603 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया। वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर 33.8 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ 5,971 यूनिट्स डिस्पैच करके तीसरे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी ने 39.2 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 2,003 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया और चौथे स्थान पर रही। दूसरी ओर, वियतनाम की कार निर्माता कंपनी विनफास्ट को 18.3 प्रतिशत की मासिक गिरावट का सामना करना पड़ा और उसने कुल 1,928 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया। किया 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 711 यूनिट्स के साथ छठे स्थान पर रही। सबसे चौकाने वाली बढ़ोतरी टोयोटा की रही।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना , टाटा टी, टेटीली जैसे ब्रांड्स पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमीडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगडटी स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डालर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं।

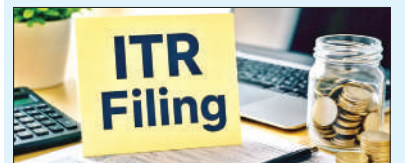
न्यूज़ ब्रीफ

अगस्त में आईपीओ की धूम, जेट्टो सहित 12 से अधिक कंपनियां जुटाएंगी 25,000 करोड़



नई दिल्ली। अगले महीने अगस्त में आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में जबरदस्त गतिविधियां देखने को मिलेंगी। एक दर्जन से अधिक कंपनियां कुल मिलाकर 25,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाने के लिए अपने आईपीओ लाने की तैयारी में हैं, जिसका मुख्य कारण बाजार की स्थिरता और निवेशकों का बढ़ता भरोसा है। मर्चेंट बैंकरो के अनुसार इन आगामी आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। इक्विटी सेपिटल के एक अधिकारी ने बताया कि निवेशकों की बेहतर धारणा के चलते कई कंपनियां, जिन्होंने पहले अपनी आईपीओ योजनाओं को टाला था, अब आगे बढ़ रही हैं। सबसे बड़े प्रस्तावित आईपीओ में त्वरित वाणिज्य मंच जेट्टो का नाम प्रमुख है, जो नए शेयर जारी कर 8,010 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रहा है। इसमें 11.34 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश भी शामिल होगी। आवास वित्त कंपनी टुहाम फाइनेंस 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की तैयारी में है, जिसमें 1,500 करोड़ रुपये का नया निर्गम और इतनी ही राशि का ओएफएस शामिल है।

आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई, चुकने पर आईटीआर-यू से सुधारें गलतियां



नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई बेहद करीब है। अब तक एक करोड़ से अधिक लोग अपना रिटर्न दाखिल कर चुके हैं। यदि आपने अभी तक यह जरूरी काम नहीं निपटाया है, तो जल्द पूरा करें। साथ ही, आकरक विभाग ने उन करदाताओं को भी मौका दिया है जो पिछले सालों का रिटर्न दाखिल करना भूल गए थे या अपनी आय का सही खुलासा नहीं कर पाए थे; वे अब अपडेटेड रिटर्न के जरिए अपनी पुरानी गलतियों को सुधार सकते हैं। आईटीआर-यू, आयकर अधिनियम की धारा 139(8ए) के तहत एक विशेष सुविधा है। यह करदाताओं को सामान्य रिटर्न की समय-सीमा चुकने पर भी पुरानी आय घोषित करने और कानूनी कार्रवाई से बचने की अनुमति देती है। करदाता संबंधित असेसमेंट इंयर खत्म होने के 48 महीने (4 साल) के भीतर अपना आईटीआर-यू दाखिल कर सकते हैं। इसका उपयोग तब होता है जब आपने मूल आईटीआर दाखिल नहीं किया, पिछली रिटर्न में कुछ अतिरिक्त आय दिखाना भूल गए, अपनी आय कम दिखाई या अपनी टैक्स देनदारी सही करनी हो। हालांकि, आईटीआर-यू का उपयोग टैक्स कम करने, रिफंड वलेम करने या नुकसान दिखाने के लिए नहीं किया जा सकता, न ही यदि आपके खिलाफ इनकम टैक्स की रैड या सर्वे हो चुका हो। आईटीआर-यू भरने पर आपको देशी के हिसाब से अतिरिक्त टैक्स देना पड़ता है: 12 महीने के भीतर कुल टैक्स और ब्याज का 25 फीसदी अतिरिक्त, और 12 से 48 महीने के भीतर 50 से 70 फीसदी तक अतिरिक्त टैक्स। आईटीआर-यू से रिफंड नहीं मिलता; यह सिर्फ वाक्या टैक्स चुकाने और छूटी हुई आय बताने के लिए है।

40 साल में विमान की सीटें 4 इंच और छोटी: किराया बढ़ा लेकिन यात्रियों का आराम घटा; लंबी उड़ानों में परेशानी



नई दिल्ली। पिछले चार-पांच दशकों में विमान यात्रा का स्वरूप काफी बदल गया है। यात्रियों की संख्या बढ़ने और लागत कम रखने की कोशिश में विमान कंपनियों ने इकोनामी श्रेणी की सीटों के बीच की दूरी और चौड़ाई लगातार घटाई है। वहीं, इसी अवधि में लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई (मेटापा) बढ़ी है, जिससे लंबी यात्राओं में असुविधा बढ़ने लगी है। 40 साल में सीटों का आकार कितना बदल गया विमानन उद्योग की कई रिपोर्टें और विमान कंपनियों के सीट विन्यास के विश्लेषण के अनुसार, 1980-90 के दशक में इकोनामी श्रेणी में दो सीटों के बीच की दूरी (सीट पिच) 34 से 35 इंच होती थी। अब अधिकांश विमान कंपनियों में यह घटकर 30 से 31 इंच रह गई है। भारत की कम लागत वाली विमान सेवाओं में यह दूरी 28 से 29 इंच तक है। यानी यात्रियों के पैरों के लिए उपलब्ध जगह औसतन 4 से 7 इंच कम हो गई है। सीटों की चौड़ाई भी पहले की तुलना में कम हुई है।

सर्साफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक, सप्ताह में 10 हजार रुपये तक महंगी हो गई चांदी



नई दिल्ली घरेलू सर्साफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में सोना 560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22

तीन और नई हाइब्रिड एसयूवी दस्तक देने के लिए तैयार

नई दिल्ली। चालू साल के अंत तक देश में तीन और नई हाइब्रिड एसयूवी दस्तक देने के लिए तैयार है। ये तीनों नए माडल दमदार एसयूवी सेगमेंट के होंगे। ये आगामी हाइब्रिड गाड़ियां न सिर्फ बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरियंस देंगी, बल्कि इनका माइलेज भी बेहद शानदार होने वाला है। जापानी कार निर्माता कंपनी होडा अपनी नई एसयूवी, होडा जेडआर-वी हाइब्रिड को भारत में पेश करने वाली है। वैश्विक बाजार में यह एचआर-वी और सीआर-वी के बीच स्लाट की जाती है, और भारत में इसका सिर्फ पेट्रोल-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड वैरिएंट लानच किया जाएगा। इसकी डिलीवरी इसी महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। इस गाड़ी में 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर मिलेगी, जो मिलकर 181बीएचपी की पावर जनरेट करते हैं और 22.8 किमी/लीटर का शानदार माइलेज देने में मदद करते हैं। इसे जापान से पूरी तरह बनी-बनाई (सीबीयू) इम्पोर्ट किया जाएगा। किया मोटर्स आगामी अक्टूबर महीने के आसपास अपनी प्रीमियम डी-सेगमेंट एसयूवी, किया सोरेंटो हाइब्रिड को भारत में लानच कर सकती है। यह इस सेगमेंट में स्कोडा कोडियाक को टक्कर देने वाली पहली हाइब्रिड गाड़ी होगी।

टिकाऊपन और सुरक्षा की दिशा में नई क्रांति, बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पालीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पालीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है। विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को

महिंद्रा नए माडल, बीई 07 को लान्च करने के लिए तैयार

नई दिल्ली देशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है। महिंद्रा कंपनी अपने नए माडल, बीई 07 को लान्च करने के लिए तैयार है। पहली बार एक कॉन्सेप्ट के रूप में पेश की गई यह गाड़ी अब प्रोडक्शन के बेहद करीब लग रही है। हालांकि, कार पूरी तरह से कवर थी, लेकिन इसके आकार और लुक को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बाजार में मौजूद कई बड़ी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को कड़ी टक्कर देगी। यह नई इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा के पोर्टफोलियो में पहले से मौजूद बीई 6 के ऊपर पोजिशन की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान दिखे माडल से साफ पता चलता है कि इसका आकार बीई 6 से काफी बड़ा

देखने को मिलेंगी। इसके ठीक नीचे हेडलैप्स दिए जा सकते हैं। गाड़ी का फ्रंट बम्पर काफी मस्क्यूलर नजर आ रहा है, जिसमें नीचे की तरफ एयर इनटैक्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल पर नजर डालें तो इसमें प्लश-फिटिंग पाप-आउट डोर हैंडल्स और बड़े अलॉय व्हील्स देखने को मिलते हैं। इसके अलावा गाड़ी में बिना फ्रेम वाले दरवाजे दिए गए हैं। कंपनी ने अभी तक इसके इंटीरियर का खुलासा नहीं

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों को एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। इस महीने अब तक 32 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल भारत के लिए आयात बिल और महंगाई बढ़ाने की चिंता पैदा कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में 10 साल के बान्ड की यील्ड 4.7 फीसदी के बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे वैश्विक निवेशक जोखिम भरे उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है, जो अपने सर्वकालिक निचले स्तर के करीब पहुंच रहा है। तकनीकी रूप से बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का डाँचा कमजोर हुआ है। इसके लिए तत्काल सपोर्ट 23,600 के स्तर पर है, जिसके टूटने पर बिकवाली तेज होकर 23,300 तक जा सकती है। ऊपर की तरफ 24,000 का स्तर एक बड़ी रुकावट बना हुआ है, और जब तक यह पार नहीं होता, हर तेजी पर बिकवाली की रणनीति ही उचित रहेगी। बैंक निफ्टी के लिए 56,000 से 56,100 का दायरा अहम सपोर्ट है, और 57,300 पर कड़ा रैजिस्टर्ड बना हुआ है। शेयर बाजार की इस उथल-पुथल के बीच, सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की चमक लगातार बरकरार है।

फिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52

डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और 360-डिग्री कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पैनोरमिक रूलास रूफ और एक प्रीमियम आडियो सिस्टम भी इसका हिस्सा होंगे। पावरट्रैन की बात करें तो इसमें 59 केडब्ल्यूएच, 70 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं। गाड़ीवाड़ी के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज में करीब 600 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigun,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महाराष्ट्र

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ऐतिहासिक योगक्षेम रैली के साथ मुनि श्री दीप कुमारजी ठाणा-2 का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता से आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण, आकर्षक झाँकियाँ बनीं विशेष आकर्षण

झड़ुचातुर्मास ठहराव नहीं, सोए हुए पौरुष, संस्कार और चेतना का महाविस्फोट है झड़ुङ्ग : मुनि श्री दीप कुमारजी

हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आस्था, अनुशासन और आध्यात्मिक ऊर्जा का अभूतपूर्व संगम उस समय देखने को मिला, जब युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती मुनि श्री काव्य कुमारजी के चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के अवसर पर सिकंदराबाद में ऐतिहासिक झ्योगक्षेम रैलीफ का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, आकर्षक झाँकियों तथा भक्तिमय वातावरण ने पूरे नगर को आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर कर दिया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रातः 9:15 बजे पेगा हाउसिंग कॉलोनी स्थित श्री नवलज्जी-अमिताजी मुणोत के निवास से प्रारंभ हुई यह विराट रैली नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन पहुँची, जहाँ मुनिद्वय का भव्यातिभव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जयघोष, मंगलगायन एवं भावपूर्ण स्वागत के साथ वातावरण को भक्तिमय बनाया रखा।

रैली में ज्ञानशाला, तेरापंथ युवक परिषद,



तेरापंथ महिला मंडल तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की आकर्षक झाँकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। युवाओं का उत्साह, अनुशासित सहभागिता और विशाल जनसमूह की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

इस भव्य आयोजन का मुख्य संयोजन श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। सहयोगी संस्थाओं के रूप में

तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), अणुव्रत समिति तथा जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी ने सक्रिय भूमिका निभाई।

तेरापंथ भवन पहुँचने के पश्चात रैली एक विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई, जहाँ विभिन्न संस्थाओं द्वारा मुनिद्वय का अभिनंदन एवं भावभीना स्वागत किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा,

चातुर्मास केवल चार महीनों का ठहराव नहीं, बल्कि हमारे भीतर सुप्त पड़े पौरुष, संस्कार और चेतना को जागृत करने वाला महाविस्फोट है। आज का मनुष्य धन, सुविधा और प्रतिष्ठा की अंधी दौड़ में स्वयं को भूलता जा रहा है। ऐसे समय में चातुर्मास आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मपरिवर्तन का दिव्य अवसर लेकर आता है।

उन्होंने कहा कि चातुर्मास धर्मध्यान, स्वाध्याय, त्याग, तप, संयम और ज्ञानार्जन का स्वर्णिम काल है। प्रत्येक व्यक्ति को नियमित प्रवचन श्रवण, साधना, तपस्या एवं आत्मविकास का संकल्प लेकर इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ में प्रत्येक कार्य गुरु आज्ञा से ही सम्पन्न होता है। वे स्वयं भी परम पूज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की आज्ञा से चातुर्मास हेतु यहाँ पधारे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गुरुदेव की प्रेरणा से मनाया जा रहा झ्योगक्षेम वर्षफसम्पूर्ण धर्मसंघ के आध्यात्मिक उत्थान का प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनि श्री काव्य कुमारजी ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, संस्कार संवर्धन और जीवन-परिवर्तन का पर्व

है। यदि प्रत्येक व्यक्ति इन चार महीनों में अपने जीवन में एक श्रेष्ठ परिवर्तन का संकल्प ले ले, तो न केवल उसका जीवन बदल सकता है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा मंगलमय स्वागत गीत से हुआ। स्वागत उद्बोधन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशीलजी संचेती ने दिया।

इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) हैदराबाद के अध्यक्ष श्री विनोदजी दूगड़, तेरापंथ महिला मंडल (तेमम) की अध्यक्ष श्रीमती नमिताजी सिंधी, टीपीएफ के अध्यक्ष श्री वीरेंद्रजी घोषल, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन श्री महेंद्रजी भंडारी, मैनेजिंग ट्रस्टी श्री मनोजजी दूगड़, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्रजी बोथरा, ज्ञानशाला, कन्या मंडल, किशोर मंडल, श्री संपतमलजी नौलखा, श्रीमती रेख-ाजी संकलेचा, श्रीमती सरलाजी पी. भूतोड़िया सहित अनेक गणमान्यजनों ने अपने प्रेरक विचार एवं भावपूर्ण गीतों की प्रस्तुतियाँ दीं।

विशेष अतिथि के रूप में चेन्नई से पधारे पल्लवरम सभा के अध्यक्ष श्री दिलीपजी भंसाली ने भी अपने प्रेरक विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के कारण सभागार खचाखच भरा रहा। अंत में मंत्री हेमंत संचेती ने आभार ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का गरिमामय एवं प्रभावशाली संचालन श्री लक्ष्मीपत बैद ने किया। मंगलपाठ एवं धर्मसंघ की उत्तरोत्तर उन्नति की मंगलकामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अग्रवाल समाज ने की शिक्षा की राह रोशन प्रोजेक्ट सारथी के तहत 900 प्रतिभावान बच्चों को दी गई छात्रवृत्ति



स्वामी संविदानंद सरस्वती का मिला आशीर्वाद, क्लासिक गार्डन में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रतिभावान एवं जरूरतमंद परिवार के बच्चों को शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए आरंभ किए गए मप्रोजेक्ट सारथीफ के अंतर्गत 900 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में आयोजित प्रोजेक्ट सारथी का शुभारंभ कैलाशमठ नासिक के अध्यक्ष आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री संविदानंद सरस्वती के दीप प्रज्वलन एवं महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर पूज्य स्वामी जी ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले बच्चों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि समाज का कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव में शिक्षा से वंचित न हो, इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। समारोह में 900 बच्चों को छात्रवृत्ति के चेक प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि इस योजना में समाज के दानदाताओं का बहुत बड़ा सहयोग है। बच्चे देश का भविष्य हैं और वास्तव में वे सारथी हैं, जो आगे चलकर परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। ये बच्चे

भी आगे चलकर अपने पैरों पर खड़े होंगे और समाज को वापस सहयोग (रिटर्न) देकर अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले दानदाताओं, प्रायोजकों, समाज के पदाधिकारियों, अभिभावकों एवं बच्चों समेत राजेश गोयल द्वारा 51 लाख रुपये का चेक प्रदान करने पर उनका विशेष तौर पर आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में क्रमवार बच्चों को छात्रवृत्ति के चेक मुख्य अतिथि जम्मू एवं कश्मीर रेरा के चेयरमैन एवं अग्रवाल समाज के सलाहकार सतीश चन्द्र, सिरसिला की कलेक्टर गरिमा अग्रवाल सहित दानदाता राजेश गोयल, गोवर्धन, सुरेश सिंघल, ताराचंद बंसल, अनिल पटवारी, प्रोजेक्ट सारथी के चेयरमैन हर्ष सौथलिया, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविन्द प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सह मंत्री प्रतीक कुमार नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल, सुरेश कुमार टण्डन, सुरेश बंसल व अन्य दानदाताओं एवं सहयोगियों ने प्रदान किए।

अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल ने प्रोजेक्ट सारथी में 51 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि प्रदान करने वाले राजेश गोयल का आभार प्रकट कर उनका सम्मान किया। साथ ही उन्होंने सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज के बच्चों को इसी प्रकार प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन सह मंत्री प्रतीक कुमार

मोर, माउंट ज्वेलरी, सतीश चंद्र, मोट्ट, संजय बगारी, सतीश बागरी, दर्पण, संदीप मोर, विनोद केडिया, अशोकचंद विजयानंद, वासुदेव पोद्दार, महेंद्र सिसोडिया, कृष्णलाल क्लासिक गार्डन, अरुण गोयल, सुरेन्द्र मुकुन्द सेठ ओमप्रकाश, नारायण गुप्ता गुलजारीलाल, विनोद केडिया (विनायक स्टील), अजय अशोक (ऑटो मोबाइल्स), के.के. सेठ, विकास कुंछल, राजेश शंकर राजा, कृष्णा कुमार, विकास, घनश्याम अग्रवाल (चिट्स), संतोष अग्रवाल, प्रमोद गोयनका, अशोक गुप्ता (श्री कृष्णा ज्वेलर्स), अनिल (छानलाल ज्वेलर्स) एवं संजय संधी सहित अन्य का आभार प्रकट किया गया।

इस अवसर पर डॉ. अशोक केडिया ने कार्यक्रम से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविन्द प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सह मंत्री प्रतीक कुमार नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल, राजेश गोयल, गोवर्धन, सुरेश सिंघल, ताराचंद बंसल, अनिल पटवारी, प्रोजेक्ट सारथी के चेयरमैन हर्ष सौथलिया, सुरेश कुमार टण्डन, सुरेश बंसल, रामनिवास बंसल, मुकुंद लाल अग्रवाल, दिलीप पंसारी, दीपक सरायवाला, सतीश सरायवाला, सत्यप्रकाश बंसल, सुरेश कुमार सिंघल, हरीश गुप्ता, डॉ. अशोक केडिया, पंडित विशेष शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ए. पी. महेश बैंक ने 49वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया



हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): ए. पी. महेश बैंक, जिसे लोकप्रिय रूप से महेश बैंक के नाम से जाना जाता है, ने अपने 49वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आज, रविवार 26 जुलाई 2026 को बैंक के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए कर्नल सी. के. नायडू क्रिकेट ग्राउंड, चाचा नेहरू म्यूनिसिपल पार्क के समीप, मसाब टैंक, हैदराबाद में खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। बैंक का 49वाँ स्थापना दिवस 9 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा।

9 अगस्त 1978 को स्थापित महेश बैंक ने पिछले 49 वर्षों में निरंतर प्रगति करते हुए अपने कार्यक्षेत्र का व्यापक विस्तार किया है। वर्तमान में बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान तथा महाराष्ट्र (मुंबई) में स्थित 45 शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी, निदेशकाण अमित लड्डा (गम्पू), दीपक कुमार बंग,

देवेंद्र झवर, कैलाश मंत्री, मुकुंदलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, विनोद कुमार बंग, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुमेश कुमार बंग, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनमान दास राठी, पूर्व अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राठी, महाप्रबंधक कमल किशोर राठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में सीमित ओवर क्रिकेट, शटल बैडमिंटन, बॉल बैडमिंटन, टेनिस/टैट, कैरम तथा शतरंज जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बैंक के निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन कर्मचारियों में टीम भावना, आपसी सहयोग एवं एकता को सुदृढ़ करते हैं, कर्मचारियों की सहभागिता को बढ़ावा देते हैं तथा बैंक की स्वस्थ एवं सकारात्मक कार्य-संस्कृति को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाते हैं।

घरेलू नौकर गैंग का खौफ

2 साल में 565 चोरियां, जुबली हिल्स बना सबसे बड़ा निशाना

ओम प्रकाश सिरवी

हैदराबाद, 26 जुलाई

देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे महानगरों में शामिल हैदराबाद में घरेलू सहायकों और कर्मचारियों के माध्यम से होने वाली चोरी की घटनाओं ने पुलिस और आम नागरिकों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। हैदराबाद सिटी पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में घरेलू नौकरों, ड्राइवरों, देखभाल करने वाले कर्मचारियों, कार्यालय कर्मियों और दुकान के स्टाफ से जुड़े चोरी के कुल 565 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि यदि नियुक्ति से पहले कर्मचारियों का समुचित सत्यापन कराया जाता, तो इन घटनाओं में से अधिकांश को रोका जा सकता था।

565 मामलों में 65 गंभीर अपराध

पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार दर्ज 565 मामलों में 65 गंभीर अपराध और 500 सामान्य श्रेणी के मामले शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि कई नियोक्ताओं ने घरेलू कर्मचारियों को बिना पहचान सत्यापन, स्थायी पते की पुष्टि और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच किए ही काम पर रख लिया। बाद में इन्होंने कर्मचारियों ने विश्वास जीतकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया।

जुबली हिल्स सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका

पुलिस के जोनवार आंकड़ों में जुबली हिल्स सबसे ऊपर है, जहां 173 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद सिकंदराबाद (88), खेराताबाद (77), गोलकोंडा (70), राजेंद्रनगर (63), शमशाबाद (49) और चारमीनार (45) क्षेत्रों का स्थान है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों, बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और गेटेड आवासीय परिसरों वाले क्षेत्रों में ऐसे मामलों की संख्या अधिक है। व्यस्त जीवनशैली के कारण कई लोग घरेलू कर्मचारियों का पूरा सत्यापन नहीं कराते, जिसका फायदा अपराधी उठाते हैं।

सबसे आसान निशाने पर ये लोग

पुलिस के अनुसार अकेले रहने वाले बुजुर्ग, छात्र, नौकरीपेशा दंपति, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारी और छोटे व्यापारी ऐसे अपराधियों के सबसे आसान



शिकार बन रहे हैं। दिनभर घर खाली रहने या परिवार के सदस्यों के व्यस्त रहने का लाभ उठाकर आरोपी घर की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और सही समय का इंतजार करते हैं।

पहले भरोसा... फिर वारदात

जांच में यह भी सामने आया है कि कई आरोपी पहले घरेलू सहायक बनकर परिवार का विश्वास जीतते हैं। कुछ दिनों या महीनों तक काम करने के दौरान वे घर में रखी नकदी, आभूषण, कीमती सामान, परिवार की दिनचर्या, चाबियां रखने की जगह और निगरानी कैमरों की स्थिति की पूरी जानकारी जुटा लेते हैं। इसके बाद मौका मिलते ही चोरी की घटना को अंजाम देते हैं। कुछ मामलों में दूसरे राज्यों के संगठित गिरोहों की संलिप्तता भी सामने आई है।

अपराध रोकने के लिए विशेष अभियान

बढ़ते मामलों को देखते हुए हैदराबाद सिटी पुलिस ने कॉलोनियों, अपार्टमेंटों, गेटेड आवासीय परिसरों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। पुलिस लोगों से अपील कर रही है कि अपराध होने के बाद शिकायत करने की बजाय पहले से सुरक्षा उपाय अपनाएं।

पुलिस ने दी महत्वपूर्ण सलाह

पुलिस ने नागरिकों से घरेलू कर्मचारी रखने से पहले निम्नलिखित सावधानियां अपनाने की अपील की है

* किसी भी घरेलू कर्मचारी, ड्राइवर या देखभाल करने वाले व्यक्ति का स्थानीय पुलिस थाने से सत्यापन अवश्य

कराएं।

* कर्मचारी का पहचान पत्र, फोटो, स्थायी पता और पूर्व निशोका का विवरण प्राप्त कर उसकी पुष्टि करें।

* नए कर्मचारी के साथ घर में रखी नकदी, सोना, आभूषण, बैंक संबंधी जानकारी या यात्रा कार्यक्रम जैसी निजी जानकारी साझा न करें।

* यदि कोई कर्मचारी बिना सूचना दिए अचानक काम छोड़ दे या उसका व्यवहार संदिग्ध लगे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

* घर में निगरानी कैमरे, सुरक्षित ताले और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं मजबूत रखें।

संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत करें सूचना

हैदराबाद सिटी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलते ही तुरंत डायल 100 पर कॉल करें या 94906 16555 पर उपलब्ध पुलिस व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर सूचना दें।

पुलिस का बड़ा संदेश

पुलिस का कहना है कि घरेलू कर्मचारी रखना सामान्य बात है, लेकिन बिना सत्यापन किसी भी व्यक्ति को घर की जिम्मेदारी सौंपना बड़ा सुरक्षा जोखिम बन सकता है। थोड़ी-सी सतर्कता, दस्तावेजों का सत्यापन और पुलिस जांच न केवल परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है, बल्कि शहर में इस प्रकार के अपराधों पर भी प्रभावी रोक लगा सकती है।

नौकरानी पर भरोसा बना मौत का कारण ? पूर्व बिहार डीजीपी की पत्नी की हत्या ने देश को झकझोरा

8 मई 2026 को हैदराबाद के जुबली हिल्स में पूर्व बिहार डीजीपी विनय रंजन राय की पत्नी तनुजा रंजन (55) की हत्या ने सनसनी फैला दी। पुलिस जांच के अनुसार, नेपाली मूल की घरेलू सहायिका कल्पना ने कथित तौर पर अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या और लूट की साजिश रची। वारदात के बाद नकदी और सोने के आभूषण लेकर फरार होने की बात सामने आई। जांच में एक कथित नेपाली गिरोह के तार जुड़ने के संकेत मिले हैं और कई राज्यों में पुलिस कार्रवाई पर संदिग्धों को पकड़ा है, और मामले की जांच अभी जारी है।

कारगिल विजय दिवस पर बंडारू ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि



हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने भारत माता की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

1999 के कारगिल युद्ध की ऐतिहासिक विजय को याद करते हुए श्री दत्तात्रेय ने कहा कि जब पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कारगिल क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र की रणनीतिक चौकियों पर अवैध कब्जा कर लिया था, तब तत्कालीन

प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृढ़ नेतृत्व में भारतीय सशस्त्र बलों ने सफलतापूर्वक मऑपरेशन विजयफ शुरू किया। असाधारण साहस और संकल्प के साथ, भारतीय सेना ने भारतीय वायु सेना के महत्वपूर्ण सहयोग से दुश्मन को खदेड़ दिया और कारगिल की चोटियों पर एक बार फिर गर्व से भारत का तिरंगा फहराया।

उन्होंने कहा कि बेहद प्रतिकूल मौसम और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में जवानों डरा बेजोड़ साहस और निस्वार्थ भाव से हासिल की गई यह ऐतिहासिक जीत भारत के

सैन्य इतिहास के सबसे स्वर्णिम अध्यायों में से एक है। राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित वीरता हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी। श्री दत्तात्रेय ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे सीमाओं पर निरंतर मुस्तैद जवानों और राष्ट्र सेवा में महान त्याग करने वाले उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़े रहें। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और हर भारतीय सदैव उनका ऋणी रहेगा।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सशस्त्र बलों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी और एकजुटता भी आवश्यक है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के मतभेदों से ऊपर उठकर हर भारतीय को इह्मभारत मेरी मातृभूमि है और इसकी रक्षा मेरी जिम्मेदारी हैह्मइ की भावना को मजबूत करना चाहिए। यह कार्यक्रम श्री पाशम साईं कृष्णा यादव, श्री आर. शेफा साईं और श्री वंशी कृष्णा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर श्री सी. मोहन, श्री कौंडिन्य प्रसाद, श्री किशोर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हैदराबाद में लॉरी के स्कूटी को टक्कर मारने से दो किशोरों की मौत

हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में राजधानी के कूकटपल्ली थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक तेज रफ्तार टिपर लॉरी के दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार देने से दो किशोरों की मौत हो गयी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान महेश (17) और लक्ष्मी तेजा (17) के रूप में हुई है। दोनों एक अन्य युवक के साथ क्रिकेट खेलने के लिए स्कूटी से जा रहे थे, तभी लॉरी ने उनके वाहन को बहुत तेज टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर कूकटपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।



विठ्ठलराव नगर, माधापुर स्थित सोलिटैयर हारमोनी परिसर में देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर भगवान विष्णु की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन कर भक्तिमय वातावरण में भगवान श्रीहरि की आराधना की। कार्यक्रम में अरुणा गुप्ता, नम्रता, माधवी, सरोज अग्रवाल, मीता, मीनाक्षी, श्रीदेवी, जानकी राजन सहित अनेक गणमान्य एवं वरिष्ठ श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक उपस्थित रहे। सभी भक्तों ने भगवान विष्णु की शयन आरती में सहभागिता निभाई तथा उनके श्रीचरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

नलगोंडा के चेर्वुगट्टू मंदिर के पास भीषण आग से 17 दुकानें जलकर खाक

नलगोंडा, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में नलगोंडा जिले के नारकेटपल्ली मंडल में चेर्वुगट्टू पहाड़ी की तलहटी में शनिवार देर रात भीषण आग लग जाने से श्री पार्वती जडाला रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के पास स्थित 17 दुकानें और 15 ठेले जलकर खाक हो गये। पुलिस के अनुसार आग मंदिर की पहाड़ी के तलहटी में स्थित एक खिलौने की दुकान से शुरू हुई और तेजी से आस-पास की दुकानों तक फैल गई। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान गैस के दो सिलेंडर फटने से आग और भड़क गई। आग की चपेट में ग्राम पंचायत कार्यालय भी आ गया, जिससे वहां रखे कई सरकारी दस्तावेज जलकर नष्ट हो गए। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर दमकलकर्मी तीन दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने लगभग 2.5 करोड़ रुपये संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया है। आग से किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। आग लगने के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

भाजपा तेलंगाना राज्य

पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क अभियान पर हुआ मंथन

मसेवा, संगठन और समर्पणफके मंत्र के साथ कार्य करने का लिया संकल्प



हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), तेलंगाना प्रदेश की राज्य पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा जनसंपर्क अभियान को गति देने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया कनवीनर मुकेश जैन चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, तेलंगाना के राज्य प्रभारी अभय पाटिल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह,

महामंत्री रजनीश जैन एवं हरप्रीत सिंह गुलाटी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ स्तर तक समन्वय एवं संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विशेष मंथन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने सेवा, संगठन और समर्पण के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए संगठन विस्तार, जनसंपर्क और समाजसेवा को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

राधे-राधे ग्रुप ने सेवा को जन-जन का महायज्ञ बना दिया, यह मंच जीवनभर याद रहेगा : मनोज सोमानी



हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवता के अद्भुत संगम का साक्षी बना। इस अवसर पर अपने पूज्य पिता की पुण्यतिथि पर परिवार सहित अन्नदान सेवा में सहभागी बने मनोज सोमानी ने भावुक होकर कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने उन्हें जो सेवा का पान अवसर प्रदान किया है, उसका ऋण शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

मनोज सोमानी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं कर रहा, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना, संस्कार और मानवीय मूल्यों की ऐसी ज्योति जला रहा है, जिससे हजारों लोगों के जीवन में आशा का संचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में निस्वार्थ सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और राधे-राधे ग्रुप इस भावना को निरंतर जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मंच से जुड़कर उन्हें जो आत्मिक संतोष और आनंद प्राप्त हुआ है, उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। यह सेवा उनके जीवन की अमूल्य धरोहर बन गई है।

उन्होंने कहा कि अपने पिता की पुण्य स्मृति में सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है।

उन्होंने सभी समाजबद्धों से आग्रह किया कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा अन्य पारिवारिक अवसरों को सेवा से जोड़कर मानवता के इस महायज्ञ में सहभागी बनें, क्योंकि किसी जरूरतमंद को भोजन कराना ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।

इस अवसर पर दो अन्नदान सेवाएँ समर्पित की गईं। पहली सेवा सोमानी परिवार की ओर से तथा दूसरी सेवा स्वर्गीय श्री मोहनलाल विजयवर्गीय की पुण्य स्मृति में श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए सेवा को ही सच्ची श्रद्धांजलि बताया। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, रेणु शर्मा, प्रवीण विजयवर्गीय, कमला सोमानी, मनोज सोमानी, अंजू सोमानी, श्याम सोमानी, राधिका सोमानी, सुशील सोमानी, प्रतिमा सोमानी तथा सारिता मंत्री सहित अनेक सेवाभावी श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए मानव सेवा के इस सतत अभियान को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण राधे-राधे के जयघोष, सेवा भावना और श्रद्धा से ओतप्रोत रहा, जिसने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को मानव सेवा के लिए प्रेरित किया।

अग्रवाल समाज मैरिज डाटा ब्यूरो समिति की बैठक सम्पन्न



हैदराबाद, 26 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डाटा ब्यूरो समिति की 48वीं बैठक शनिवार को अग्रवाल समाज कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में वैवाहिक प्रस्तावों को गति देने,

अधिकाधिक बायोडाटा एकत्रित करने तथा समाज के योग्य युवक-युवतियों के वैवाहिक संबंधों को शीघ्र स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में समिति के वाइस चेयरमैन श्री उमाशंकर गोयंका, श्री सुनील मोदी, श्री जितेंद्र अग्रवाल, श्रीमती रानी मित्तल,

श्रीमती संगीता गोयल तथा अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष श्री हरिगोविंद प्रसाद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समिति के कार्यों की सराहना

बैठक के दौरान लगभग 15 बायोडाटा का आदान-प्रदान किया गया तथा विभिन्न वैवाहिक प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से समाज की अविवाहित कन्याओं के अधिक से अधिक बायोडाटा एकत्रित करने पर जोर दिया गया। समिति के सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करते हुए अधिकाधिक योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा उपलब्ध कराएं।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष श्री हरिगोविंद प्रसाद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समिति के कार्यों की सराहना

की और कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं समिति के वाइस चेयरमैन श्री उमाशंकर गोयंका ने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि प्रत्येक सदस्य कम से कम 10 अविवाहित कन्याओं के बायोडाटा समिति को उपलब्ध कराने का प्रयास करे, ताकि अधिक से अधिक योग्य युवक-युवतियों के वैवाहिक संबंध स्थापित कराए जा सकें।

बैठक में अभिभावकों के रूप में श्री देवकीनंदन अग्रवाल, श्री रविंद्र अग्रवाल एवं श्री राजकुमार जगनानी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी वैवाहिक डाटा ब्यूरो की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया तथा समाजहित में इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।